

17.5.2014

पत्रावली पेरा डुकी वकील वही न पुरिवाडी अपलित
नकी। वकील वही न पुरिवाडी को कार-कार था। वीज
लगाई। छि भी दाजित नही। वाड वही थान-
पेरी व थान दाजनी में वारीज बिपा जाता है।
पत्रावली तम्ब से कम की जाऊ कए व वीज
व वकील जाणा दाखिल दफतर हो।

म

